यूपीईएस और एस्पायर सर्कल के सहयोग से शुरू होगा राइज सेंटर

देहरादून, 29 अगस्त (नवोदय टाइम्स) : यूपीईएस ने एस्पायर सर्किल के सहयोग से रिसर्च ऑन इम्पैक्ट सस्टेनेबिलिटी एंड ईएसजी (राइज) सेंटर के शुभारंभ की घोषणा की है, जो सस्टेनेबिलिटी और पर्यावरण, सामाजिक और शासन प्रभाव में रिसर्च और शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए एक पहल है। राइज सेंटर का आधिकारिक उद्घाटन 21 सितंबर होगा।

राइज सेंटर का लक्ष्य जलवायु परिवर्तन, कार्बन न्यूट्रैलिटी और सस्टेनेबल डेवलपमेंट की चुनौतियों से निपटने के लिए अभिनव समाधान विकसित करने में ग्लोबल लीडर बनना है। राइज सेंटर अत्याधुनिक रिसर्च, एजुकेशन और इंडस्ट्री कलैबरेशन के माध्यम से सस्टेनेबल इम्पैक्ट को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। साथ ही यूपीईएस ने महिंद्रा यूनिवर्सिटी और एस्पायर सर्किल के साथ मिलकर ईएसजी, सस्टेनेबिलिटी और इम्पैक्ट स्पेशलिस्ट प्रोग्राम भी शुरू करने की तैयारी कर रहा है, जो भविष्य के चीफ इम्पैक्ट आफिसर्स को प्रशिक्षित करने के लिए विशिष्ट रूप से तैयार की गई है। कार्यक्रम में 2 थीमेटिक सेशन, 5 से अधिक केसलेट और चार डिटेल्ड ग्लोबल और भारतीय केस स्टडी शामिल होंगी, जो प्रतिभागियों को इम्पैक्ट ड्रिवेन परियोजनाओं को डिजाइन करने, बनाने, स्केल करने और प्रबंधित करने का अनुभव प्रदान करेंगी।

वाईस चांसलर डॉ. राम शर्मा ने कहा कि यूपीईएस में इनोवेशन और रिसर्च के लिए एक केंद्र बनने के लिए प्रतिबद्ध है। राइज सेंटर का शुभारंभ इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एस्पायर इम्पैक्ट के संस्थापक और सीईओ अमित भाटिया ने कहा कि कार्यक्रम को तैयार करने में चार साल लगा। महिंद्रा यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर और सेंटर फार सस्टेनेबिलिटी के प्रमुख डा$ अनिरबन घोष ने कहा भारत एक ऐसे मोड़ पर है जहां ईएसजी, सस्टेनेबिलिटी और इम्पैक्ट लीडरशिप की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है।